अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल–मई 2022

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/06/2022 समय : 3 घंटे (सुबह 9 से 12) कुल अंक : 75

सूचना : 1) प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । 2) शेष 4 प्रश्नों के उत्तर लिखे ।
3) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखे । 4) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1 ताल का मतलब क्या है । ताल निर्माण के नियमोको स्पष्ट करे । (15)

प्र. 2 सही पर्याय चुने । (15)

1. ..... ये गत का प्रकार है ।
   1. रेला 2. मंजधार 3. तुकडा
2. समसे पहले पुरे होनेवाले बोल को ..... कहते हैं ।
   1. अतित 2. अनागत 3. बेदम
3. ..... तबले की सबसे छोटी विस्तारक्षम रचना है ।
   1. तिहाई 2. लग्गी 3. रौ
4. ..... ये बोल एक आवर्तन की अपेक्षा छोटा होता है ।
   1. तुकडा 2. मोहरा 3. तिहाई
5. संकीर्ण लय में 4 मात्रामे ..... मात्रा बजानी होती है ।
   1. 4 2. 9 3. 7
6. तबला/पखवाज मे उत्फूर्त मे बजनेवाली रचना को ..... कहते है ।
   1. परण 2. उपज 3. गत
7. तंतुवाद्य पर ..... की लय द्रुत होती है ।
   1. आलाप 2. झाला 3. तोड

8. ..... ताल में लग्गीवादन नहीं होता ।

1. दिपचंदी 2. झपताल 3. दादरा

9. ..... मोहरे का ही रूप है ।

1. मुखडा 2. तुकडा 3. परण

10. ..... वादन प्रकार ताल के खंड अनुसार ही बजता है ।

1. रेला 2. गत 3. तुकडा

11. ..... अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय के संस्थापक है ।

1. पं. पलुस्कर 2. पं. भातखंडे 3. पं. नारायण व्यास

12. दक्षिण हिंदुस्तानी ताल पध्दती में प्रमुख ..... ताल होते है ।

1. 7 2. 35 3. 105

13. 4 मे 3 लय को ..... बोलते हैं ।

1. पाउण पट 2. आडी 3. महाआडी

14. झपताल की कुआड लय एकबार ..... मात्रा में पूर्ण होगी ।

1. 2 $\frac{1}{3}$ 2. 8 3. 5

15. संगीत में कुल .....स्वर होते हैं ।

1. 7 2. 12 3. 16

प्र. 3 लय, लयकारी क्या होती है, यह स्पष्ट कर निम्नलिखित किसी एक ताल की कुआड और बिआड लिपीबध्द करे। **(15)**

1) तीनताल / झपताल (सम से समतक लयकारी लिखे।)

2) धमार / सूलताल (सम से समतक लयकारी लिखे ।)

प्र. 4 पारिभाषिक शब्दोकी सोदाहरण व्याख्या लिखे। **(15)**

(किन्ही तीन)

1) मोहरा / मुखडा

2) लडी

3) कमाली चक्रधार

4) ठेका

प्र..5· **लिपीबध्द करे। (किन्ही तीन)** **(15)**

1) एकताल/चौताल मे फरमाईशी चक्रधार / फरमाईशी चक्रधार परण । (तीन आवर्तन सहीत)

2) तिनताल त्रिपल्ली चक्रधार (सम से सम तक)।

3) रूपक ताल मे एक कायदा, दो पलटे और तिहाई ।

4) दीपचंदी ताल - ठाह, दुगून, तीगुन, चौगुन।

प्र. 6 **पं. भातखंडे और पं. पलुस्कर लिपी की विस्तृत जानकारी देकर किन्ही दो तालो को दोनो लिपी मे लिपीबध्द करे।** **(15)**

प्र. 7 **निम्नलिखित वादको का परिचय दे। (किन्ही दो)** **(15)**

1) उ. नत्थू खाँ 2) उ. वाजीद हुसेन 3) उ. मुनीर खाँ

4) कुदाऊसिंह 5) नाना पानसे 6) पं. अयोध्या प्रसाद